Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

3

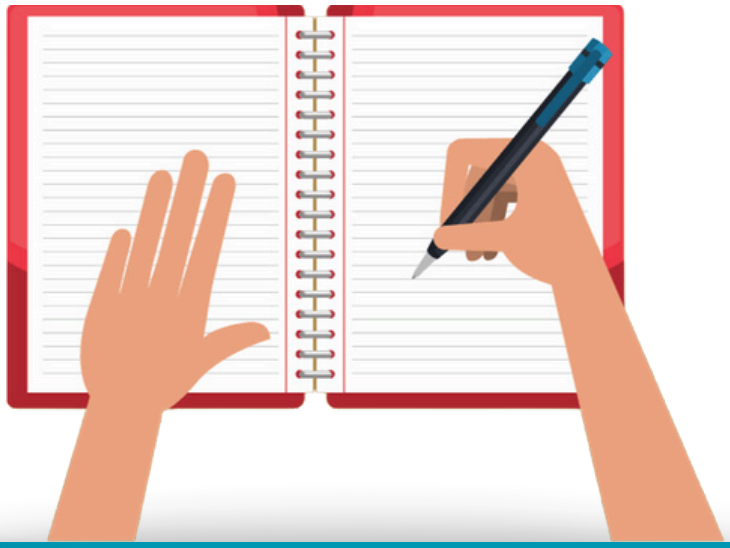

घरेलू कामगारों का शोषण

घरेलू कामगार हमारे घरों में अक्सर अदृश्य ही रहते है लेकिन उनकी भूमिका हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे हमारे घरों को साफ सुथरा रखते है हमारे बच्चों की देखभाल करते है और कई अन्य घरेलू कार्य करती है लेकिन दुर्भाग्य से इन कामगारों का अक्सर शोषण होता है।

शोषण के रूप

- कम वेतन
- अधिक काम के घंटे
- शारीरिक और मानसिक शोषण
- सामाजिक सुरक्षा का अभाव
- काम की असुरक्षा

3 Feb| 2025|P1

कानूनी ढाँचे का अभाव

सामाजिक पूर्वाग्रह

गरीबी और बेरोजगारी

समाधान

कानून का निर्माण

जागरूकता फैलाना

शिकायत निवारण यंत्र

समाज में बदलाव

@resultmitra www.resultmitra.com

घरेलू कामगारों का शोषण

भारत और विश्व में घरेलू कामगारों की स्थिति
ILO (International Labour Organization) के अनुसार:
दुनिया भर में लगभग 7.5 करोड़ घरेलू कामगार हैं, जिनमें से 80% महिलाएँ हैं।
भारत में करीब 50 लाख से 1 करोड़ घरेलू कामगार हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएँ, बच्चे और प्रवासी मजदूर हैं।
95% से अधिक घरेलू कामगार असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जिससे उन्हें श्रमिक अधिकार नहीं मिलते।

भारत में घरेलू कामगारों से जुड़े कानून:

अन्य श्रमिकों की तरह उन्हें भी न्यूनतम वेतन मिलना चाहिए।
2006 का बाल श्रम निषेध अधिनियम – 14 साल से कम उम्र के बच्चों को घरेलू काम में लगाना अपराध है।
2010 का घरेलू कामगार कल्याण विधेयक (Draft Bill) – कामगारों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रस्तावित लेकिन अभी तक पारित नहीं हुआ।
यौन उत्पीड़न से सुरक्षा (POSH Act, 2013) – घरेलू कामगारों के लिए भी लागू होना चाहिए, लेकिन इसका ठीक से पालन नहीं होता।
ई-श्रम कार्ड (2021) – असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार ने यह योजना शुरू की।

कैंसर की दवाओं पर राहत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में सरकार का तीसरा पूर्ण बजट और अपना 8वाँ बजट पेश किया। उन्होंने घोषणा की कि कैंसर की 36 दवाऐं सस्ती की जाएंगी।

- साथ ही सरकार अगले तीन साल में सभी जिला अस्पतालों में 200 कैंसर डे- केयर सेंटर खोलेगी। साथ ही अगले 5 साल में मेडीकल कॉलेज में 75000 नई मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी।

Result Mitra

बिहार का मखाना और मखाना बोर्ड की स्थापना

बिहार विशेषकर मिथिला क्षेत्र मखाने के उत्पादन के लिए देश में प्रसिद्ध है। मखाना एक प्रकार का बीज है जो पौधे के फल से निकाला जाता है और इसे आमतौर पर स्नैक्स के रूप में खाया जाता है।

यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।

बिहार विशेषकर मिथिला क्षेत्र मखाने के उत्पादन के लिए देश में प्रसिद्ध है। मखाना एक प्रकार का बीज है जो पौधे के फल से निकाला जाता है।

- 2025 के बजट में भारत सरकार ने बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की घोषणा की।

मखाना बोर्ड के गठन के उद्देश्य

- मखाना उत्पादन को बढ़ावा देना
- गुणवत्ता सुधार
- बाजार विस्तार
- किसानों को सशक्त करना।
- प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देना।

3 Feb | P4

@resultmitra www.resultmitra.com

मखाना खेती से किसानों को लाभ :

- किसानों का सशक्तिकरण
- आय में वृद्धि
- तकनीकि सहायता
- सहकारी समितियों का गठन
- आर्थिक विकास
- रोजगार सृजन
- राज्य की ब्रांड इमेज में सुधार

Result Mitra

क्या है मखाना

मखाना एक जलीय पौधे (यूरिअले फैरोक्स) का बीज है जिसे भारतीय उपमहाद्वीप में सदियों से खाद्य पदार्थ के रूप में उपयोग किया जाता रहा है

- इसे अक्सर फॉक्स नट्स या सिंहारा भी कहा जाता है
- भारत में मखाने का सबसे अधिक उत्पादन बिहार राज्य में होता है

पोषण संबंधी लाभ

- प्रोटीन का अच्छा श्रोत
- फाइबर युक्त
- कैलोरी में कम
- खनिज और विटामिन
- ग्लूटेन मुक्त
- हृदय स्वास्थ्य
- पाचन स्वास्थ्य
- वजन प्रबंधन
- हड्डियों के स्वास्थ्य
- एंटीऑक्सीडेंट गुण

Result Mitra

महाकुंभ भगदड़ -: 3 सदस्यीय पैनल ने जांच शुरू की।

29 जनवरी 2025 को प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कम से कम 30 लोगों की जान चली गई।

इस आपदा के मद्देनजर उत्तरप्रदेश सरकार ने तत्काल तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का का गठन किया।

उत्तरप्रदेश सरकार ने 1952 के जांच आयोग अधिनियम धारा 3 के तहत तीन सदस्यीय समिति गठित की। इस आयोग का नेतृत्व सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हर्ष कुमार कर रहे हैं जबकि अन्य दो सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डी.के. सिंह और पूर्व डीजीपी वी.के गुप्ता हैं

Result Mitra

सचिन तेंदुलकर को बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

बीसीसीआई ने 1 फरवरी 2025 को मुंबई में प्रतिष्ठित नमन अवार्ड में भारतीय क्रिकेट में असाधारण उपलब्धियों को सम्मानित किया।

- समारोह का एक ऐतिहासिक क्षण भारत रत्न श्री सचिन तेंदुलकर को प्रतिष्ठित कर्नल सी.के नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान करना था।
- सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट के भगवान के नाम से जाना जाता है।
- 2014 में भारत रत्न से सम्मानित

Result Mitra